



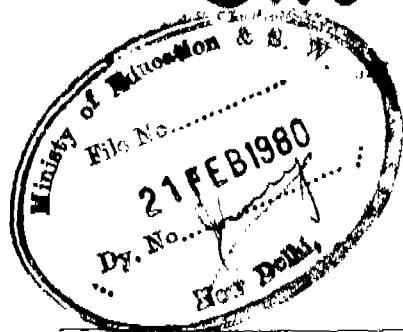
भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 16]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 28, 1980/माघ 8, 1901

No. 16]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 28, 1980/MAGHA 8, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह भाग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1980

सां०कां०नि० 19 (अ).—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए नियमों का एक प्रारूप, खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना संख्या सां०कां०नि० (अ) 254, तारीख 19 मार्च, 1979 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र, समाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (1) तारीख 19 मार्च, 1979 पृष्ठ 461-462 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि की समाप्ति तक उन सभी व्यक्तियों से आपत्ति और सुझाव मागे गए थे, जिनके उसमें प्रभावित होने की सम्भावना है।

और उक्त राजपत्र 19 मार्च, 1979 को अन्तर्गत को उपलब्ध करा दिया गया था ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप की बाबत प्राप्त आपत्तियों और सुझावों पर विचार कर लिया है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय खाद्य मानक

समिति के परामर्श से खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

नियम

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (प्रथम संशोधन) नियम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 (जिसे हममें हमके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 42 में, उपनियम (घ) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(न) परिष्कृत साल बीज वसा के प्रत्येक आधार पर निम्नलिखित लेबल लगा होगा, अर्थात् :—

परिष्कृत साल बीज वसा

केवल बेकरी और कन्फेक्शनरी में उपयोग के लिए

3. उक्त नियम के नियम 49 में, उपनियम (8) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(9) कोई भी व्यक्ति बेकरी और कन्फेक्शनरी में बिना किसी प्रयोजन के लिए साल बीज वसा का विक्रय नहीं करेगा और यह परिष्कृत होगा तथा उस पर नियम 42 (एन) में अतिरिक्त घोषणा का लेबल लगा होगा।”

4. उक्त नियम के परिशिष्ट ख में, मद क 10.06 के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :—

“क. 10.07 परिष्कृत साल बीज वसा से, साल वृक्षों की बीजगुठनी, मोरिया रोबस्टा गैरटन, एफ० (एन०प्रो० डिटेराकार्पोसी) से

अभिप्रेत ऐसी बसा अभिप्रेत है जिसे धार से निष्प्रभाविन विरंजकमृदा या सफाईयत कार्बन या दोनों से विरंजित किया गया है। और जिसको किसी अन्य रासायनिक एजेंट का प्रयोग किए बिना वाष्प से निर्गन्धीकरण किया गया है अनुकल्पित। अनम्नीकरण, विरंजन और निर्गन्धीकरण भौतिक साधनों द्वारा भी किया जा सकता है। पदार्थ द्रवण पर, साफ होगा और अप्रतिश्रुतों ललछट, तिलस्मित या अन्य विप्रातीय पदार्थ, पृष्कृत, लल या हल्ले गए रंजक पदार्थ से मुक्त होगी। फिस्टरित व नमूना को 40° से० पर 24 घण्टे तक रखने के पश्चात् उसमें आबिलता नहीं होगी। वह निम्नलिखित मानकों की अनुकल्पता होगा :—

- (i) आद्रता 0.1 प्रतिशत से अधिक नहीं।
- (ii) 40° से० पर ब्रदीरो रेफ्रेक्टोमीटर रीडिंग 36.7—51.0
या
40° से० पर अपवर्तनांक 1.4500—1.4600
- (iii) आयोडीनमान (विज पद्धति) 31—45
- (iv) साबुनीकरण मान 180—195
- (v) असाबुनीकरणीय पदार्थ भारमें 2.5 प्रतिशत से अधिक नहीं।
- (vi) मुक्त बसाअम्ल (जिसे आयनिकअम्ल भारमें 0.25 प्रतिशत के रूप में प्रमिश्रित किया गया है) से अधिक नहीं
या
अम्ल मान 0.5 से अधिक नहीं।
- (vii) 9, 10, एपोक्सी और 9, 10 भार में 3.0 प्रतिशत से अधिक नहीं।
डिहाइड्राकसी स्टेरिक अम्ल
- (viii) स्फुरांक (पेन्सको मार्टेन बन्द पद्धति) 250° से० से कम नहीं
- [का० सं० पी० 15011/23/78-पी० एच० (एफ० एण्ड एन०) पी० एफ० ए०]
डा० श्री० अर्दोर्ना, नृपसूत सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th January, 1980

G.S.R, 19(E).— Whereas certain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, were published as required by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954) on pages 462-463 of the Gazette of India (Extraordinary), Part II, Section 3 Sub-section (i) dated the 19th March, 1979, under the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. G. S. R. 254(E) dated the 19th March, 1979, inviting objections/suggestions from the persons likely to be affected thereby, till the expiry of 45 days from the date on which the copies of the said notification were made available to the public;

And whereas the copies of the said notification were made available to the public on the 19th March, 1979;

And whereas objections/suggestions received from the public on the said draft notification have been considered by the Central Government;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 23 of the said Act the Central Government in consultation with the Central Committee for Food Standards, hereby makes the following rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely:—

RULES

1. Short title and commencement :—

- (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (First Amendment) Rules, 1980;
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 (hereinafter referred to as said rules), in rule 42, after sub-rule (S) the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(T) every container of refined salseed fat shall bear the following label, namely :—

REFINED SALSEED FAT
FOR USE IN BAKERY AND CONFECTIONERY ONLY”

3. In rule 49 of the said rules, after sub-rule (8), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(9) No person shall sell salseed fat for any other purpose except for **BAKERY AND CONFECTIONERY** and it shall be refined and shall bear the label declaration as laid down in rule 42(T)”.

4. In Appendix B of the said rules, after item A. 10. 06, the following item and entries shall be added namely :—

“A. 10. 07. — Refined salseed fat means the fat obtained from seed kernels of *Sal trees*, *Shorea robusta Gaertn. f. (N.O. Dipterocarpaceae)* which has been neutralized with alkali, bleached with bleaching earth or activated carbon or both, and deodorized with steam, no other chemical agents being used. Alternatively, deacidification, bleaching and deodorization may be done by physical means. The material shall be clear on melting and free from adulterants, sediment, suspended or other foreign matter, separated water or added colouring substance. There shall be no turbidity after keeping the filtered sample at 40°C for 24 hours. It shall conform to the following standards :—

- (i) Moisture Not more than 0.1 per cent.
- (ii) Butyro-refractometer reading at 40°C 36.7 — 51.0
- OR
- Refractive Index at 40°C 1.4500—1.4600
- (iii) Iodine value (Wijs' method) 31—45
- (iv) Saponification value 1801—95
- (v) Unsaponifiable matter Not more than 2.5 per cent by weight.
- (vi) Free Fatty acids (expressed as Oleic acid) Not more than 0.25 per cent by weight.
- OR
- Acid Value Not more than 0.5.
- (vii) 9, 10 epoxy and 9, 10 Dihydroxystearic acid Not more than 3.0 per cent by weight.
- (viii) Flash point (Pensky Marten closed method) Not less than 250°C.”

[F. No. P. 15011/23/78-PH(F&N) PFA]

T. V. ANTONY, Joint. Secy.